Need to check atrocities against Dalits- laid

श्री मलूक नागर (बिजनौर): पूरे देश में दलित उत्पीड़न की घटनाओं की बाढ़ आ गयी है । मणिपुर में व राजस्थान में करौली जनपद में एक 19 साल की दलित युवती के साथ गैंगरेप और उसके चेहरे को एसिड से जला कर गोली मारकर हृदय विदारक घटना घटित हुई है । यदि समय रहते युवती के परिवार के लोगों की बात पुलिस महकमा गंभीरता से लेता और कार्यवाही करता तो शायद उस युवती की जान बच जाती । इस घटना की ज़िम्मेदारी आरोपियों और पुलिस दोनों की है । मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक विशेष समुदाय लोगों द्वारा केवल शंका के आधार पर दो दलित युवकों को जूता की माला पहना कर उनके मुंह में मलमूत्र भर कर तथा सीधी जिले में एक आदिवासी युवक पर पेशाब करने का मामला सामने आया है, जो एक अमानवीय कृत्य है, एक तरफ वर्तमान सरकार द्वारा पिछड़े और दलितों के लिए हितैषी होने का नाटक करना और वही दूसरी तरफ दलित वर्ग के लोगों के ऊपर जुल्म और ज्यादती करना, इनके दोहरे चरित्र का घिनौना रूप है यदि वास्तव में यह सरकार दलित हितैषी है तो यथाशीघ्र पूरे देश में दलित उत्पीड़न की हो रही घटनाओं को अविलम्ब रोके जाने और घटित घटनाओं में आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाये ।